Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

BFSI
BFSI Sector Skill Council of India

प्रतिभागी पुस्तिका

क्षेत्र
बैंकिंग वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई)

उप–क्षेत्र
नॉन–बैंकिंग फाइनेंसियल सर्विस

व्यवसाय
म्यूचुअल फंड एजेंट

सन्दर्भ आईडी– **BSC/Q0601, Version 1.0**
NSQF Level 4

म्यूचुअल फंड एजेंट

"कौशल से बेहतर भारत का विकास होता है
अगर हमें भारत को विकास की ओर ले जाना है
तो हमें कौशल विकास हमारा मिशन होना चाहिए।"

श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

Skill India
BFSI
N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape
Certificate
CURRICULUM COMPLIANCE TO
QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL
STANDARDS
is hereby issued by the
BFSI SECTOR SKILLS COUNCIL OF INDIA
for the
MODEL CURRICULUM
Complying to National Occupational Standards of
Job Role/ Qualification Pack: 'Mutual Fund Agent' QP No. 'BSC/Q0602 NSQF Level 4'
Date of Issuance: December 22nd, 2015
Valid up to: December 22nd, 2016
* Valid up to the next review date of the Qualification Pack
Authorized Signatory
(BFSI Sector Skill Council of India)

इस पुस्तिका के बारे में

मुख्य रूप से केंद्रित है और शिक्षा प्रणाली के भीतर सहज पटरियों को बनाने के लिए प्रयास करते हैं।

बड़े, त्वरित विकासवाले अत्यधिक सेगमेंतेड उद्योग में कौशल विकास की जरूरत है जिसे पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) बीएफएसआई सेक्टर स्किल काउंसिल के साथ निकट संपर्क में किया गया है। बीएफएसआई उद्योग की प्रगति का हमारे देश की प्रगति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हैऔर कौशल विकास के मुद्दे उद्योग के लिए काफी महत्व रखता है।

भारत की बीएफएसआई सेक्टर स्किल काउंसिल के बारे में

भारत की बीएफएसआई सेक्टर स्किल काउंसिल का निर्माण बीएफएसआई उद्योग के अग्रणी संस्थाओं को एकत्र लाने के लिए किया गया है ताकि उद्योग में विभिन्न काम भूमिकाओं के लिए मानकीकृत कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों और परिचालन की योजना तैयार की जा सके। कौशल परिषद अच्छी तरह से सुसज्जित सेवा प्रदाताओं जो प्रशिक्षण का प्रसार करने में भागीदार होने के लिए मान्यता देगी।

कौशल परिषद को अपने हितधारकों और वित्तीय समावेशन के माध्यम से सामाजिक विकास और सशक्तिकरण के दूरगामी प्रभाव वाली एक राष्ट्र निर्माण गतिविधि के रूप में भागीदारों द्वारा देखा जाता है। विभिन्न उद्योग कार्यक्षेत्र की जरूरतों के साथ–साथ देश की भौगोलिक क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उचित देखभाल की जा रही है।

विषय विशेषज्ञों और प्रशिक्षण के भागीदारों और निर्देशात्मक डिजाइनरों द्वारा प्रस्तुत सामग्री का हमारे विषय विशेषज्ञों (एसएमई) की पैनल द्वारा मूल्यांकन और विभिन्न हितधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर हमने सामग्री कवरेज और क्यूपि/एनओएस संरेखण में विसंगतियों के कई उदाहरण पहचाने है। इस अंतर से निपटने के लिए हमने इस प्रकाशन के साथ काम किया है।

विषय सूचि

अनु.क्र.	मॉड्यूल्स और यूनिट्स	पृष्ठ क्र.
1.	अनुसंधान करें (BSC/ N 0601)	1
	यूनिट **1.1** - परिचय	2
	यूनिट **1.2** - म्युचुअल फंड का इतिहास	15
	यूनिट **1.3** - म्युचुअल फंड की संरचना	27
	यूनिट **1.4** - वित्तीय योजना और संभावित निवेशक	39
	यूनिट **1.5** - एक म्यूचुअल फंड एजेंट की भूमिका	48
	यूनिट **1.6** - कानूनी और विनियामक पर्यावरण	54
	यूनिट **1.7** - मैक्रो आर्थिक पर्यावरण	71
2.	मार्केटिंग और बिक्री (BSC/ N 0602)	77
	यूनिट **2.1** - म्यूच्यूअल फंड उत्पादों का ढांचा	78
	यूनिट **2.2** - म्युचुअल फंड उत्पाद यूनिट की गणना	91
	यूनिट **2.3** - कर और कर संबंधी विनियम	101
	यूनिट **2.4** - वित्तीय योजना	111
	यूनिट **2.5** - म्युचुअल फंड की मार्केटिंग	117
3.	खरीद के साथ असिस्ट (BSC/ N 0603)	142
	यूनिट **3.1** - ऑफर दस्तावेज और आवेदन फार्म यूनिट	143
	यूनिट **3.2** - खाता खोलने और केवाईसी प्रक्रिया	151
	यूनिट **3.3** - निवेश की विधियां	193
	यूनिट **3.4** - निवेश का समय	199
	यूनिट **3.5** - जोखिम आवंटन और पोर्टफोलियो का चयन	202

विषय सूचि

4.	**बिक्री उपरांत गतिविधि (BSC/ N 0604)**	231
	यूनिट **4.1** – ग्राहक संबंध	232
	यूनिट **4.2** – बिक्री उपरांत सर्विस	237
5.	**रोजगार क्षमता और उद्यमिता कौशल**	242
	यूनिट **5.1** व्यक्तिगत शक्तियां और नीतियां	243
	यूनिट **5.2** डिजिटल साक्षरता: पुनर्कथन	262
	यूनिट **5.3** धन संबंधी बातें	268
	यूनिट **5.4** रोजगार और स्व रोजगार के लिए तैयारी	279
	यूनिट **5.5** उद्यमिता को समझना	288
	यूनिट **5.6** उद्यमी बनने की तैयारी	310

Skill India

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

BFSI
BFSI Sector Skill Council of India

1. आचरण अनुसंधान

यूनिट 1.1 - परिचय
यूनिट 1.2 - म्युचुअल फंड का इतिहास
यूनिट 1.3 - म्युचुअल फंड की संरचना
यूनिट 1.4 - फाइनेंशियल प्लानिंग और संभावित निवेशक
यूनिट 1.5 - म्यूचुअल फंड एजेंट की भूमिका
यूनिट 1.6 - कानूनी और विनियामक पर्यावरण
यूनिट 1.7 - मैक्रो आर्थिक पर्यावरण

(BSC/ N 0601)

यूनिट 1.1 - परिचय

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप निपुण हो जाएंगे:

- म्युचुअल फंड का वर्णन करना और समझाना।
- म्युचुअल फंड की कार्यप्रणाली को प्रदर्शित करना।
- म्युचुअल फंड के फायदे और नुकसान की सूची बनाना।
- बाजारों की सूची बनाना में जहां म्युचुअल फंड का निवेश किया जा सकता है।
- म्युचुअल फंड में प्रयुक्त आम शब्दों को परिभाषित करना।
- म्युचुअल फंड की विभिन्न योजनाओं में अंतर करना।
- म्युचुअल फंड के प्रकारों के बीच अंतर करना।

वित्तीय बाजार एक व्यापक शब्द है जो ऐसे बाज़ार कि व्याख्या करता है जहां क्रेता और विक्रेता अपनी संपत्तियों जैसे इक्विटी, बांड, मुद्राओं और व्युत्पादों का व्यापार करते है। पूंजी बाजार वित्तीय बाजारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जहां लोग और संस्थाएं वित्तीय सेक्युरिटीज का व्यवसाय करते हैं। इन बाजारों के एक हिस्से के रूप में म्युचुअल फंड का कारोबार करते हैं।

1.1.1 म्युचुअल फंड

म्युचुअल फंड एक इन्वेस्टमेंट सेक्युरिटी है जो निवेशकों को अपना पैसा एक व्यावसायिक तौर पर प्रबंधित निवेश में जमा करने में सक्षम बनाता है। शेयर, बांड, नकदी और / या अन्य परिसंपत्तियों में म्यूचुअल फंड का निवेश कर सकते हैं। अंतर्निहित सेक्युरिटीज के इन प्रकारों को जिन्हें शेयर पूँजी कहा जाता है एक म्युचुअल फंड बनाने के लिए संघटित किया जाता है, इसे पोर्टफ़ोलियो भी कहा जाता है।

उदाहरण के लिए:

चित्र 1.1.1

यदि आनंद, प्रकाश, साहिल और तुषार सभी रुपये थ्ट 10.00 की यूनिट्स जारी करते हुए एक नए म्युचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो प्रत्येक को मिलेगाः

योगदान	राशि (रू.)	रु यूनिट्स
आनन्द	10,000.00	1,000
प्रकाश	20,000.00	2,000
सलिल	25,000.00	2,500
तुषार	5,000.00	500
कुल योग	**60,000.00**	

म्युचुअल फंड क्या है?

जो निवेशक अपने धन को सुरक्षित रखना या बढ़ाना चाहते हैं यह उनके धन का समूह है।

व्यक्तिगत शेयरों और बांड को खरीदने और बेचने की तुलना में म्युचुअल फंड में निवेश करना बहुत आसान हो सकता है।

निवेशक जब भी चाहें अपने शेयर बेच सकते हैं।

म्युचुअल फंड का निरूपण

1.1.2 म्युचुअल फंड की अवधारणा और म्युचुअल फंड की आवश्यकता

म्युचुअल फंड कैसे कार्य करता है

एक सामान्य वित्तीय लक्ष्य को साझा करते हुए
निवेशकों की सामूहिक बचत को एकत्र करता है

↓

पूँजी बाजार उपकरण–समूह में निवेश किया गया धन
एकत्रित करता है

↓

स्वामित्व वाली इकाइयों के अनुसार यूनिट धारकों द्वारा साझा
किये गए निवेश के माध्यम से आय अर्जित / पूंजी में वृद्धि करता है

इस प्रकार, आम आदमी के लिए म्युचुअल फंड सबसे अधिक उपयुक्त है क्योंकि यह विविध, सेक्युरिटीज के व्यावसायिक तौर पर प्रबंधित सेक्युरिटीज के बारकेट में अपेक्षाकृत कम कीमत पर निवेश करने का अवसर देता है।

म्युचुअल फंड की आवश्यकता

म्युचुअल फंड की आवश्यकता है क्योंकि;

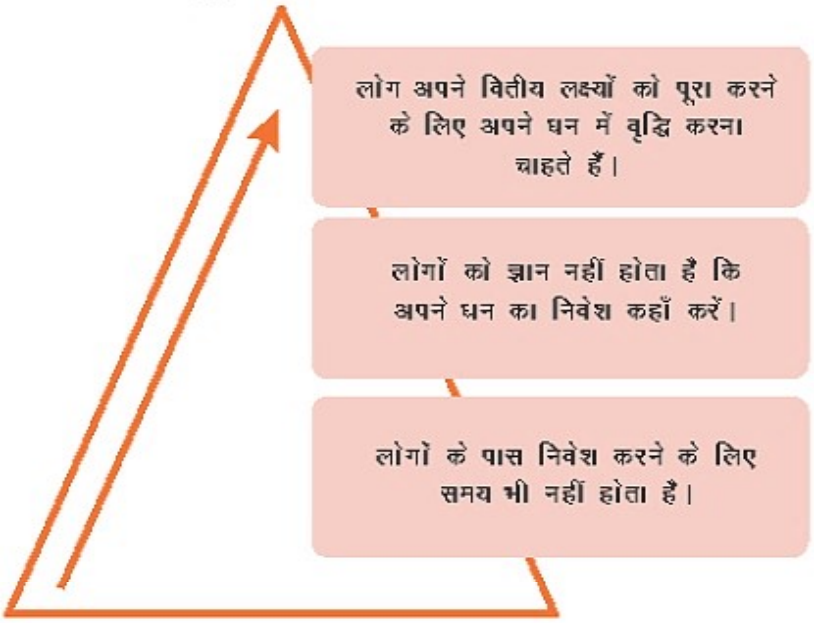

चित्र 1.1.2

1.1.3 म्युचुअल फंड कैसे काम करता है?

म्युचुअल फंड की कार्यप्रणाली:

चित्र 1.1.3

पैसे वाले लोग जो पूंजी बाजार में निवेश करना चाहते हैं उनको निवेशक कहा जाता है। वे एक फंड हाउस में निवेश करते हैं, जहां आम वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न समूह से एकत्रित पैसे को सेक्युरिटीज में निवेश किया जाता है। इस निवेश का परिणाम पॉजिटिव या निगेटिव रिटर्न के रूप में होता है, जिसे निवेशकों के पास वापस भेज दिया जाता है।

अभ्यास

विभिन्न प्रकार के वित्तीय बाजारों के बारे में पढ़ें और निम्नलिखित की 2 लाइनों में व्याख्या करें:

पूंजी बाजार

मुद्रा बाज़ार

हाज़िर बाजार

विदेशी मुद्रा बाजार

ओटीसी बाजार

गतिविधि

समीक्षा

इस गतिविधि से आपको म्युचुअल फंड को समझने और दूसरों को समझाने में मदद मिलेगी।

लक्ष्य और उद्देश्यः

- म्युचुअल फंड के बारे में बात करने में सक्षम होने के लिए
- म्युचुअल फंड और सहारों/सामग्री के बीच

आवश्यक सामान/सामग्रीः

- कागज और कलम
- लैपटॉप और प्रोजेक्टर
- क्लासरूम
- सफेद / ब्लैक बोर्ड

क्रियाविधि/प्रक्रियाः

1. एक समूह में इकट्ठे हो जाएं और बाजार में मौजूद एक म्युचुअल फंड स्कीम का चयन करें। शोध करने कि यह कैसे काम करता है और कक्षा में इसे प्रस्तुत करें।

2. एक बेसिक म्युचुअल फंड योजना में निवेश करने के लिए 4 लोगों का समूह बनाएं और एक छोटा सा कोष बनाने का प्रयास करें। इसकी हर सप्ताह निगरानी करें और विजुअल साधनों का उपयोग करते हुए समझाएं।

परिणामः

1.1.4 म्युचुअल फंड – लाभ

म्युचुअल फंड के कई फायदे हैं जिसकी वजह से वे छोटे निवेशकों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं।

- सामर्थ्य
- विविधता
- भिन्नता
- व्यावसायिक प्रबंधन
- पारदर्शिता
- तरलता
- बड़े पैमाने की किफायत
- कर स्थगन
- कर लाभ
- सुविधाजनक विकल्प
- निवेश में सहजता
- निवेश करने के लिए क्रमबद्ध दृष्टिकोण

आइये अब हम इन लाभों पर विस्तार से नजर डालते हैं

सामर्थ्य

निवेश के उद्देश्य की योजना के आधार पर म्यूचुअल फंड संपत्तियों अर्थात् बांड्स, शेयर्स, आदि की सूचियों में निवेश करता है। एक निवेशक इक्विटीज की निवेश सूचियों के अन्दर खरीदारी कर सकता है, जो अन्यथा अत्यंत महंगी हो जाएगी। इसप्रकार प्रत्येक यूनिट धारक को रू 5000 के मामूली निवेश का एक्सपोजर मिल जाता है।

विविधता

निवेश को स्टॉक्स, बांड्स, मुद्रा बाजार के साधनों, रियल इस्टेट, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि और ऑटो, टेक्सटाइल, सूचना प्रौद्योगिकी आदि विभिन्न क्षेत्रों – में फैला होना चाहिए।

भिन्नता

म्युचुअल फंड योजनाओं की जबरदस्त किस्में प्रस्तुत करता है।

व्यावसायिक प्रबंधन

निवेश के योग्य पेशेवर, जो रिटर्न को अधिकतम करने और जोखिम को न्यूनतम करने के लिए निवेशक के पैसे पर पर नजर रखते हैं।

पारदर्शिता

विनियामक ढांचे के अधीन होने से, म्युचुअल फंड को अपनी संपत्तियों, निवेश के पैटर्न और महत्वपूर्ण मानी जाने वाली सभी जानकारियों का निवेशकों के समक्ष खुलासा करना होता है।

तरलता

1. म्युचुअल फंड का अन्य निवेश पर एक विशिष्ट लाभ यह है कि इसकी यूनिट/शेयरों की बाजार में हमेशा मांग रहती है।
2. म्युचुअल फंड से अपना पैसा निकालना आसान होता है।
3. निवेशक के एकाउन्ट स्टेटमेंट के साथ संलग्न फॉर्म को भर कर इसे निष्क्रिय किया जा सकता है।

बड़े पैमाने की किफायत

1. बहुत सारे निवेशकों से प्राप्त किये गए पैसे की बड़ी राशि की पूलिंग से म्युचुअल फंड को अपने व्यावसायिक प्रबंधकों को निवेश का प्रबंधन करने में संलग्न रखना संभव रहता है।
2. छोटी राशि वाले व्यक्तिगत निवेशक स्वयं ऐसे व्यावसायिक प्रबंधकों को नियुक्त करने में समर्थ नहीं हो सकते हैं।
3. बड़े पैमाने का निवेश कोष विभिन्न अन्य अर्थव्यवस्थाओं का नेतृत्व करता है।

कर स्थगन

1. म्युचुअल फंड को अर्जित की गई आय पर कर का भुगतान करने का दायित्व नहीं हैं।
2. यदि वही आय सीधे निवेशक द्वारा अर्जित की जाए, तो उसी वित्तीय वर्ष में कर का भुगतान करना पड़ता है।
3. म्युचुअल फंड कई विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसके द्वारा उस योजना में निवेशक कई वर्षों तक अपने धन में वृद्धि कर सकते हैं।
4. ऐसे विकल्पों का चयन करके, निवेशक को कर की देनदारी स्थगित करना संभव होता है।
5. अन्य मामले में जहाँ अपनी आय पर प्रति वर्ष कर का भुगतान करना पड़ता, उसकी अपेक्षा इसमें निवशकों को तेजी से अपने धन में वृद्धि करने में मदद मिलती है।

कर लाभ

1. म्युचुअल फंड (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) की विशिष्ट योजनाएं निवेशकों को अपनी आय से निवेश की गई राशि, जिस पर कर का दायित्व होता है उस राशि की कटौती का लाभ मिलता है।

2. यह उनकी कर योग्य आय को और इसप्रकार कर के दायित्व को कम कर देता है।
3. इसके अलावा, निवेशक को योजना से प्राप्त होने वाला लाभांश उसके हाथों में कर मुक्त हो कर आती है।

सुविधाजनक विकल्प

1. योजना के तहत प्रस्तुत किये गए विकल्प निवेशकों को अपनी तरलता के विकल्पों और कर की स्थिति के समान निवेशों का निर्माण करने की अनुमति देते हैं।
2. निवेश के खाते से धनराशि की केवल आंशिक निकासी, खाते में अतिरिक्त राशि का निवेश करने की सुविधा, क्रमबद्ध लेन–देन का निर्धारण करने आदि जैसी लेन–देन की बड़ी सुविधाएं भी उपलब्ध होती हैं।

निवेश में सहजता

1. म्यूचुअल फंड में एक बार एक निवेश करने पर, वह निवेशक को बाद में बहुत कम दस्तावेजों के साथ आगे की खरीदारी करने की सुविधा प्रदान करते हैं।
2. बाद में यह निवेश की गतिविधि को सरल बना देता है।

निवेश करने का क्रमबद्ध दृष्टिकोण

1. म्युचुअल फंड इस प्रकार की भी सुविधाएं प्रस्तुत करता है जो निवेशकों को क्रमबद्ध निवेश योजना (एसआईपी) के माध्यम से नियमित रूप से राशि का निवेश करने; या क्रमबद्ध निकासी योजना (एसडब्ल्यूपी) के माध्यम से नियमित रूप से राशि की निकासी करने; या क्रमबद्ध ट्रांसफर योजना (एसटीपी) के माध्यम से विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बीच नियमित रूप से राशियों को ले जाने में मदद करता है।
2. इस तरह के क्रमबद्ध दृष्टिकोण निवेश अनुशासन को बढ़ावा देता है, जो लंबे समय तक धन के निर्माण और संरक्षण में उपयोगी है।
3. एसडब्ल्यूपी निवेशक को निवेश खाते से नियमित नकद प्रवाह की सरचना करने की अनुमति देता है।

म्युचुअल फंड – हानियाँ

- निधि के प्रबंधकों द्वारा यदि उचित रूप से प्रबंधन नहीं किया जाता तो घाटा हो सकता है।
- एक ख़ास समय की अवधि पर निवेश को धारण करने, बिक्री करने, यूनिट खरीदने के लिए फंड की अपनी स्वयं रणनीति होती है।
- निवेशकों के हाथ में खर्च पर नियंत्रण नहीं रहता
- अक्सर फंड प्रबंधकों के विवेक पर निवेश के निर्णय बदल दिए जाते हैं।
- फंड प्रबंधकों के निर्णय लेने की प्रक्रिया में निवेशक हस्तक्षेप नहीं कर सकते।
- निवेशकों को म्युचुअल फंड की योजना चयन करने में मुश्किल होती है और वित्तीय योजनाकार की मदद की जरूरत पड़ती है।
- बिक्री कर्मियों/वित्तीय सलाहकारों द्वारा ऐसी योजनाओं की सलाह दी जाती है जहाँ से उनको अधिकतम कमीशन मिलता है।

1.1.5 म्युचुअल फंड उद्योग का विकास

आरम्भ में...

इसकी शुरुआत यूरोप और ग्रेट ब्रिटेन में किया गया था।

1868 में, रॉबर्ट फ्लेमिंग ने विदेशी और औपनिवेशिक निवेश ट्रस्ट नाम के पहले निवेश ट्रस्ट की स्थापना किया

इसे स्कॉटलैंड के धनी वर्गों के लिए वित्त का प्रबंधन करना था।

निवेश विभिन्न असंख्य स्टॉक शेयरों में फैला हुआ था।

ब्रिटेन और अमेरिका में स्थापित किये गए निवेश ट्रस्ट की आज के सीमित अवधि वाले म्यूचुअल फंड से बहुत समानता थी।

बाजार का विकास ...

सबसे पहला म्युचुअल फंड मार्च 1924 में स्थापित किया गया।

स्थान मैसाचुसेट्स, अमेरिका के निवेशकों का ट्रस्ट, जो असीमित अवधि का म्यूचुअल फंड था।

1925: शोधन सुविधाओं के साथ असीमित अवधि के फंड्स की शुरुआत किया गया था

1929: 1930 की भारी मंदी के बाद शेयर बाजार में गिरावट के लिए सख्त विनियम जरूरी था

1930–1940: सेक्युरिटीज एक्ट 1933, सेक्युरिटीज एक्सचेंज एक्ट 1934, इन्वेस्टमेंट कंपनीज एक्ट 1940 की

1940: अमेरिका में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय स्टॉक म्युचुअल फंड शुरू किया गया।

1950 के दशक और 1960 के दशक: म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता में वृद्धि हुई।

1976: कर–मुक्त म्युनिसिपल बांड फंड पहली बार उभर कर आया।

1996: म्यूचुअल फंड की संपत्तियां बैंक में जमा राशि से अधिक हो गईं।

अभ्यास

समूह बनाएं और किसी भी एक विषय पर प्रस्तुतिकरण का निर्माण करें:

- म्युचुअल फंड की अवधारणा और कार्यप्रणाली
- म्युचुअल फंड की आवश्यकता
- म्यूचुअल फंड – लाभ और हानि
- म्युचुअल फंड उद्योग का विकास

अभ्यास

1. म्युचुअल फंड की अवधारणा और कार्यप्रणाली, म्यूचुअल फंड की आवश्यकता, म्युचुअल फंड – लाभ और हानि, म्युचुअल फंड उद्योग का विकास रू विषयों में से किसी एक पर समूह में एक प्रस्तुतिकरण का निर्माण करें।

2. एक समूह प्रस्तुतिकरण का निर्माण करें और इसे अगले सत्र में प्रस्तुत करें।

टिप्पणियां:

टिप्पणियां:

यूनिट 1.2 म्युचुअल फंड का इतिहास

यूनिट के उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में, आप निपुण हो जाएंगे:

- भारत में म्युचुअल फंड की शुरुआत पर नजर डालना।
- म्युचुअल फंड के घटकों की पहचान करना।
- म्युचुअल फंड बाजार के खिलाड़ियों की पहचान करना।

1.2.1 म्युचुअल फंड – भारत में इतिहास

भारत में म्युचुअल फंड के इतिहास के 4 चरण इस प्रकार हैं:

प्रथम चरण (1964 – 1987)

भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना

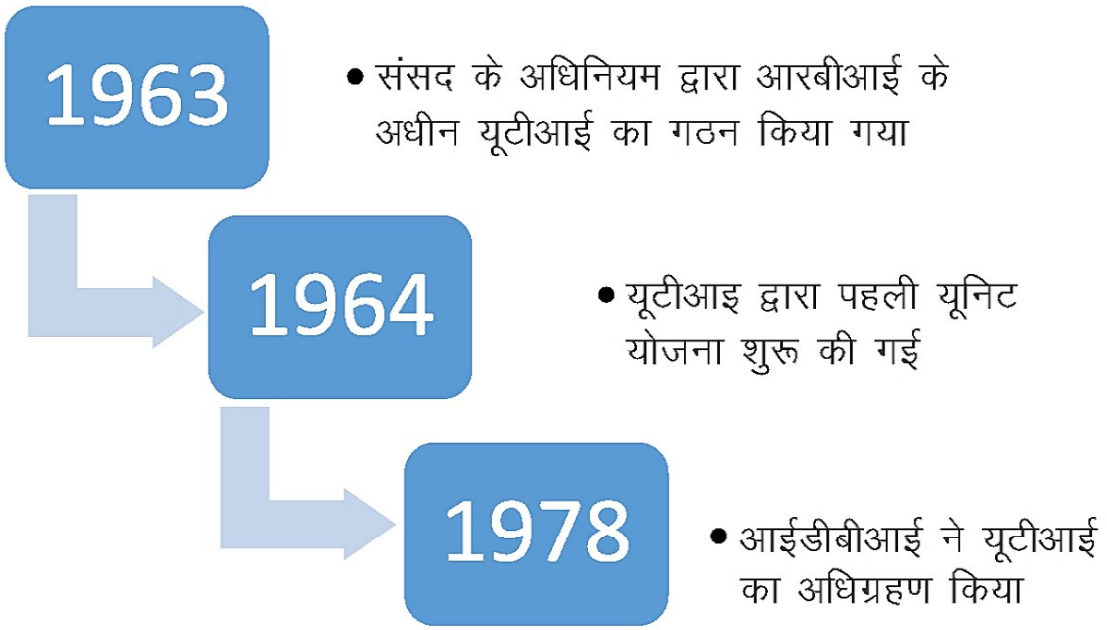

चित्र 1.2.1

द्वितीय चरण (1987 – 1993)

सार्वजनिक क्षेत्र के फंड का प्रवेश

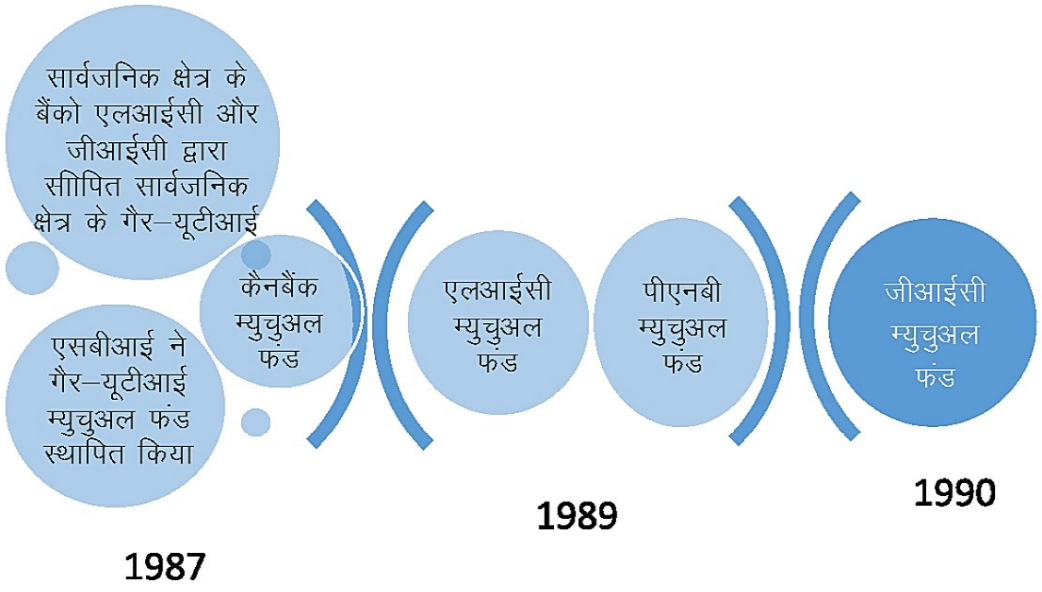

चित्र 1.2.2

तृतीय चरण (1993 – 2003)

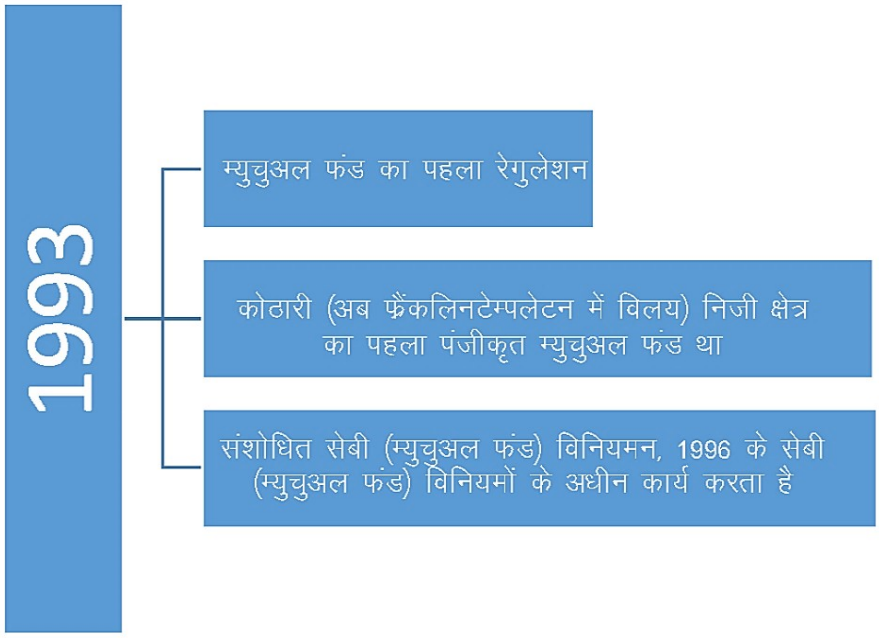

चित्र 1.2.3

चतुर्थ चरण

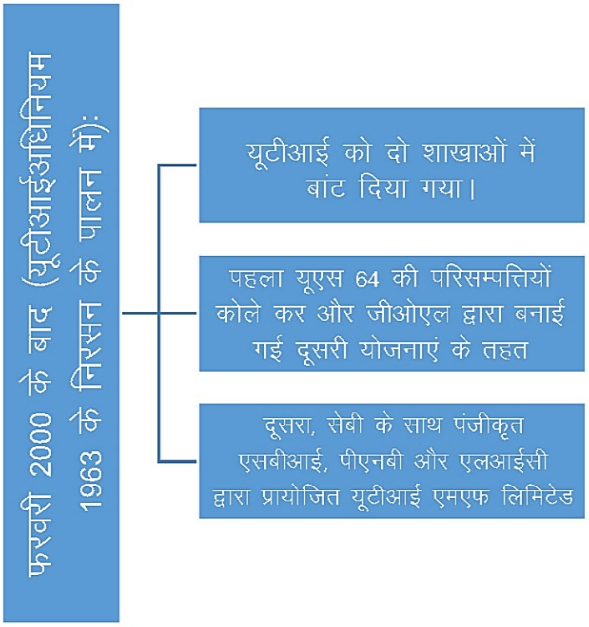

चित्र 1.2.4

1.2.2 म्युचुअल फंड के घटक

भारत में म्युचुअल फंड की संरचना

भारत में म्युचुअल फंड एक 3 स्तरीय संरचना का पालन करते हैं:

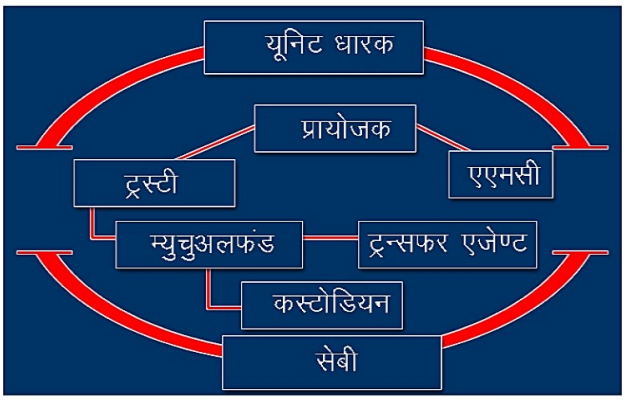

चित्र 1.2.5

प्रथम स्तर – यह प्रायोजक या व्यक्ति है जो म्यूचुअल फंड आरम्भ करने के बारे में सोचता है। प्रायोजक बाजार नियामक (सेबी) और म्युचुअल फंड के नियामक (एएमएफआई) के पास जाता है।

द्वितीय स्तर – जब सेबी की मंजूरी मिलने पर, प्रायोजक भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के अनुसार पब्लिक ट्रस्ट की शुरूआत करता है। फंड के ट्रस्टी एक संविदा में प्रवेश करते हैं। म्युचुअल फंड बनाने के लिए ट्रस्ट बनाया जाता है और सेबी के साथ पंजीकृत किया जाता है।

तृतीय स्तर – तीसरा स्तर एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) होती है, जो दिन–प्रतिदिन के आधार पर पैसे का प्रबंधन करती है। वे अपनी सेवाओं के लिए शुल्क लेते हैं।

आइये अब हम म्युचुअल फंड में इन विभिन्न लोगों की भूमिका पर नजर डालते हैं:

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

BFSI
BFSI Sector Skill Council of India

पताः पी जे टावर्स, 25वीं मंजिल, दलाल स्ट्रीट
मुंबई – 400 001 (भारत)
ईमेलः operations@bfsissc.com
वेबः www.bfsissc.com
फोनः 022 - 22728748 / 22728866 / 22728965

ISBN 978-93-87984-19-6

Price: ₹ 170

This book is provided free to students under the PMKVY (Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana)